सीमा जौनसारी
निदेशक

उत्तराखण्ड शासन

प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, देहरादून
फोन न0–0135–2781828
दिनांक– 26 जनवरी, 2017

"गणतन्त्र दिवस सन्देश"

68वें गणतन्त्र दिवस के शुभ अवसर पर मैं प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, अध्यापकों, अभिभावकों एवं समस्त अभिकर्मियों को हार्दिक शुभकामनायें देती हूँ एवं इस अवसर पर देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहिदों को स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

शिक्षा से जुड़े होने के नाते हमारा गुरूत्तर दायित्व है कि हम सभी बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारें तथा उन्हें भविष्य की समस्याओं को हल करने के लिए सक्षम बनायें। राज्य गठन के पश्चात सकल छात्र नामांकन, धारण एवं भौतिक संसाधनों में भी वृद्धि हुई है किन्तु अधिगम की गुणवत्ता में ह्रास हुआ है। एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली द्वारा आयोजित एचीवमेण्ट सर्वे में भी यह परिलक्षित हो रहा है।

शासकीय विद्यालयों में छात्र संख्या में लगातार कमी आ रही है वहीं प्राइवेट विद्यालयों में लगातार नामांकन में वृद्धि हो रही है। शासकीय विद्यालयों में प्रशिक्षित अध्यापक कार्यरत होने और प्रतिछात्र अधिक धनराशि व्यय करने पर यह स्थिति और भी चिन्तनीय है। हमारा चिन्तन बच्चों की सीखने की गतिविधि पर कैसे केन्द्रित हो इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा में गुणवत्ता अभिवृद्धि के लिए विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, इनमें सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण, सतत् अनुश्रवण व पश्चपोषण देना शिक्षा की गुणवत्ता में अभिवृद्धि हेतु महत्वपूर्ण है।

गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए प्रतिमान स्थापित करने की दृष्टि से विभाग द्वारा माडल स्कूलों की स्थापना की गई है, इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराये जाने व बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिये विभिन्न प्रकार के

भौतिक एवं मानव संसाधनों की पूर्ति की गयी है। इन विद्यालयों के अध्यापकों हेतु विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की गयी है। इसकी सफलता के लिए सभी को जुटना होगा।

कक्षा 1 व 2 का शिक्षण प्राथमिक शिक्षा की प्रथम सीढ़ी है, जो चुनौतीपूर्ण तो है ही आनन्द दायक भी है। यदि इन दो कक्षाओं में बच्चे को सीखने की दक्षता का मजबूत आधार मिल जाय तो भविष्य की चुनौतियों का आसानी से सामना कर सकेंगे। विभाग द्वारा समय–समय पर अनेक कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य समझकर उसके अनुरूप ही रणनीति बनाकर कार्य किये जाने की आवश्यकता है। सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान जहॉ बच्चों में चारित्रिक गुणों का विकास करता है वहीं बच्चे के स्वास्थ्य कार्यक्रम यथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, मध्यान्ह भोजन आदि कार्यक्रम उसे शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं।

हमारा दायित्व यह होना चाहिए कि शिक्षा से बच्चों का सर्वांगीण विकास हो और विभागीय कार्यक्रमों का लाभ प्रत्येक बच्चे को मिल सके। साथ ही मै विभागीय अधिकारियों से अपील करती हूँ कि वे विभागीय कार्यक्रमों को धरातल पर उतारने हेतु भगीरथ प्रयास करें और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए अपनी टीम को कुशल नेतृत्व प्रदान करें।

अन्त में देश के शहीदों और राष्ट्र निर्माण में अपना अभीष्ट योगदान करने वाले सपूतों को नमन करते हुए गणतंत्र दिवस के इस पर्व पर हम अपने कार्यों को पूर्ण ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ सम्पादित करने का संकल्प लें। पुनः आपको 68वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड़।

17/1/17

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड